ernment to set up a Circus Institute for imparting training in Circus; and

(b) if so, the action taken or proposed to be taken in the matter?

The Deputy Minister in the Ministry of Education (Shri Bhakt Darshan): (a) Yes Sir.

(b) The matter is under examination.

Archaeological Finds in Burdwan

1273. **Shri Subodh Hansda:**
Shri M. L. Dwivedi:

Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some old monuments of archaeological importance have been found near Burdwan in West Bengal:

(b) if so, whether the finds have been examined; and

(c) the indications of the era to which they belong?

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): (a) Yes, Sir.

(b) One of the mounds, *viz.* Pandu Rajar Dhibi, has been examined.

(c) Pandu Rajar Dhibi goes back to the Chalcolithic period, that is, about the middle of the second millennium B.C.

स्कूलों के पाठ्यक्रम

१२७४. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद** : क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान इस बात की ओर गया है कि प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के पाठ्यक्रम धीरे-धीरे अधिक संकुचित होते जा रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो इसका क्या कारण है और इसका शिक्षार्थियों के बौद्धिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ा है ; और

(ग) क्या उक्त पाठ्यक्रमों को अधिक व्यापक और आधुनिक बनाने के प्रश्न पर विचार किया जा रहा है ?

शिक्षा मन्त्री (श्री मु० क० चागला) : (क) और (ख). जी नहीं । फिर भी राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने देश के विभिन्न राज्यों में प्रयोग में आने वाले विभिन्न विषयों के वर्तमान पाठ्य-विवरणों का एक बार अध्ययन तथा विश्लेषण किया था । उससे पता चला कि प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के पाठ्य विवरण पहले की अपेक्षा अधिक सरल नहीं हैं । बल्कि पहले से अधिक व्यापक हो गए हैं ।

(ग) पाठ्य पुस्तकें तैयार करने तथा उन पाठ्य पुस्तकों में विभिन्न आयु वर्गों के पाठ्य विवरणों की विषय वस्तु को और अधिक व्यापक बनाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने विभिन्न विषयों के पैनल बनाए हैं जिनमें विभिन्न विषयों के प्रमुख जानकार व्यक्ति हैं ।

हिन्दी सैल

१२७५. **श्री म० ला० द्विवेदी**:
श्रीमती सावित्री निगम:

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार के किन-किन विभागों में हिन्दी-सैल विद्यमान हैं जिन में अधिकारियों, लिपिकों और शीघ्र लिपिकों की व्यवस्था है और कौन-कौन से विभागों में ऐसी व्यवस्था नहीं है ; और

(ख) जिन विभागों में अभी तक हिन्दी सेल की व्यवस्था नहीं है वहां यह व्यवस्था कब तक होगी ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) प्रायः सभी विभागों में हिन्दी में काम करने के लिये कुछ विशेष कर्मचारी रखे गये है ।

(ख) भारत सरकार की मूल नीति यह है कि मौजूदा कर्मचारियों को हिन्दी माध्यम में काम करने के लिये प्रशिक्षित किया जाये और विभिन्न कार्यालयों में हिन्दी जानने वाले तथा हिन्दी प्रशिक्षित कर्मचारियों से ही हिन्दी का काम लिया जाये ।

General Education

1276. **Shri P. C. Borooah:**
Shri Sidheshwar Prasad:

Will the Minister of **Education** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 77 on the 20th November, 1963, and state the progress made as a result of the measures enumerated in the previous reply to improve general education?

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): Since qualitative improvement is a continuous and long-term process and a result of a large variety of factors, it is not feasible to assess it within a relatively short interval.

Misappropriation of Money Belonging to Delhi Police Band

1277. **Shri Hari Vishnu Kamath:** Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 71 on the 20th February, 1963 regarding mis-appropriation of money belonging to the Delhi Police band and state:

(a) whether the investigation has since been completed; and

(b) if so, the result thereof?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi): (a) Yes, Sir.

(b) Departmental proceedings have been initiated. Launching of criminal prosecution is also under consideration.

साहित्य अकादमी

१२७८. **श्री म० ला० द्विवेदी :**
श्रीमती सावित्री निगम :

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) साहित्य अकादमी द्वारा अभी तक कुल कितने प्रकाशन निकाले जा चुके हैं और ये किन-किन भाषाओं के रूपान्तर हैं ;

(ख) क्या इन की एक-एक प्रति, यदि संसद पुस्तकालय में न दी गई हो, तो सभा-पटल पर रखी जायेगी ; और

(ग) साहित्य अकादमी के प्रकाशन प्रबन्ध और व्यवस्था पर कितना आवर्तक और कितना अनावर्तक व्यय हुआ है ।

शिक्षा मन्त्री (श्री मु० क० चागला) : (क) अकादमी ने अब तक कुल २९७ पुस्तकें प्रकाशित की हैं । इनमें से ६९ मूल कृतियां हैं और २२८ पुस्तकें निम्नलिखित विभिन्न भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनूदित हैं:—

असमी १ ; बंगला ८८ ; गुजराती ६ ; हिन्दी १८ ; कन्नड़ ५ ; मलयालम १२ ; मराठी १५ ; उड़िया १४ ; पंजाबी १ ; तामिल ५ ; तेलगू ३ ; अरबी २ ; चीनी ३ ; अंग्रेजी १७, फ्रेंच ११ ; जर्मन ४ ; ग्रीक ५; इतालवी ४; जापानी ३; नारवीजियन ११ ।

(ख) इन प्रकाशनों की तीन-तीन प्रतियां अकादमी द्वारा संसद पुस्तकालय को भेज दी गई हैं ।

(ग)

वर्ष	खर्च (लाख रुपयों में)	
	प्रकाशन (लाख रुपयों में)	प्रशासन (प्रकाशनों सहित समस्त कार्यकलापों के लिए)
१९६०–६१	३.५९	१.९६
१९६१–६२	१.८८	२.२६
१९६२–६३	२.५३	२.६५